राजीव गॉधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

- स्थापना सन् 1998 में म.प्र. शासन द्वारा विधानसभा के अधिनियम 13 के अंतर्गत
- वर्तमान परिसर का आवंटन जुलाई 2002 में हुआ

संबद्ध संस्थाओं की संख्या

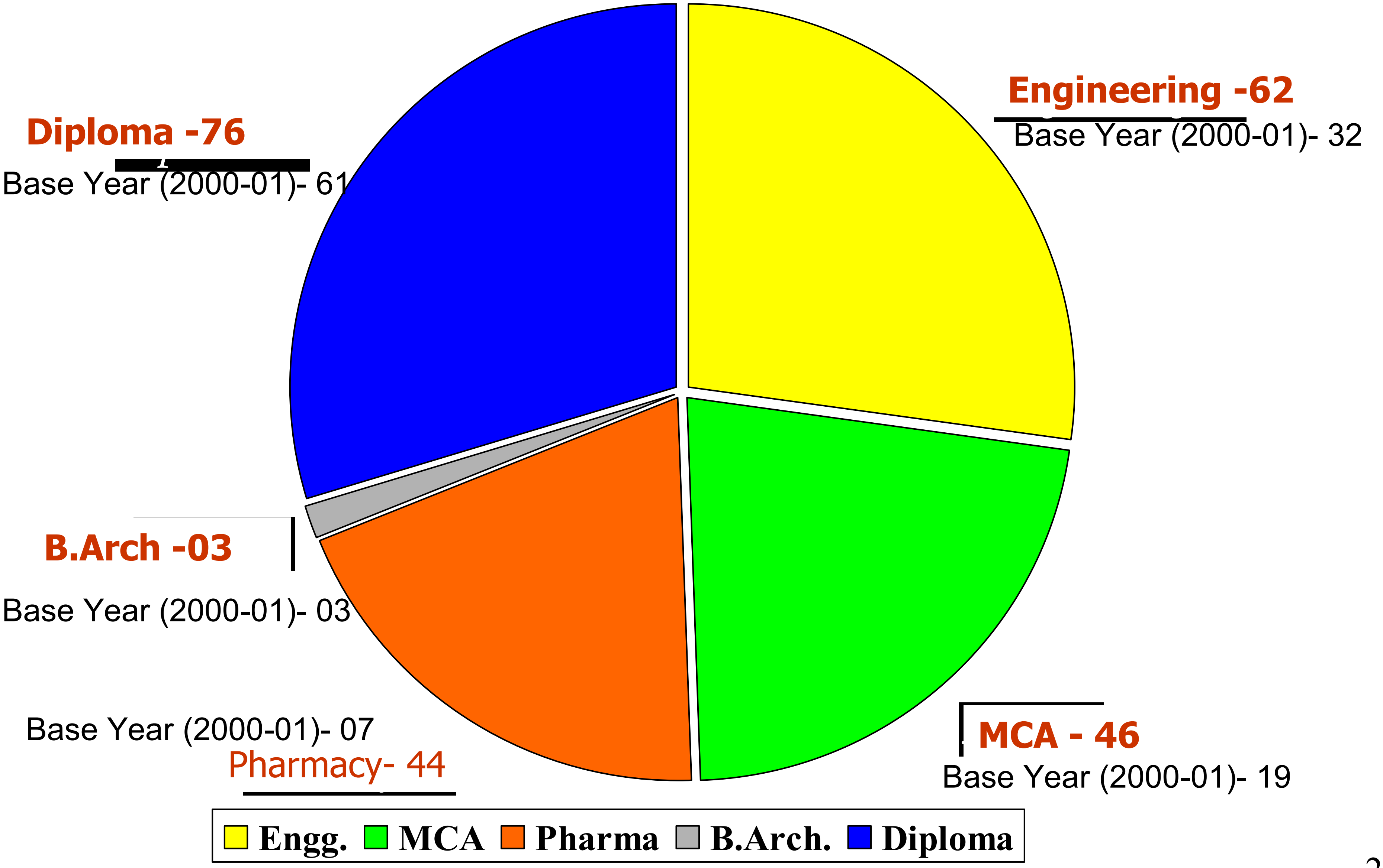

तकनीकी शिक्षा का प्रसार

(महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि)

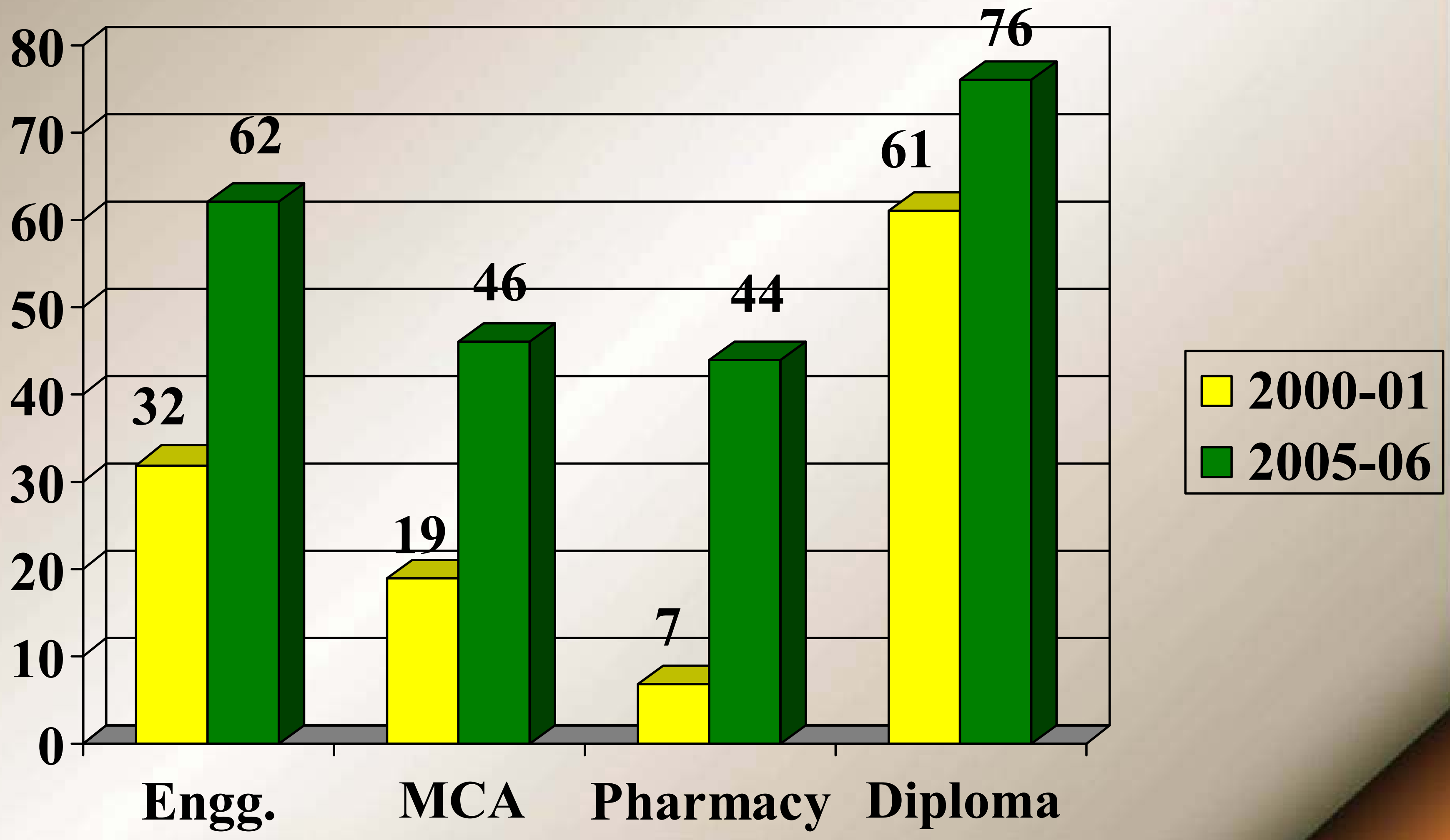

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की संख्या

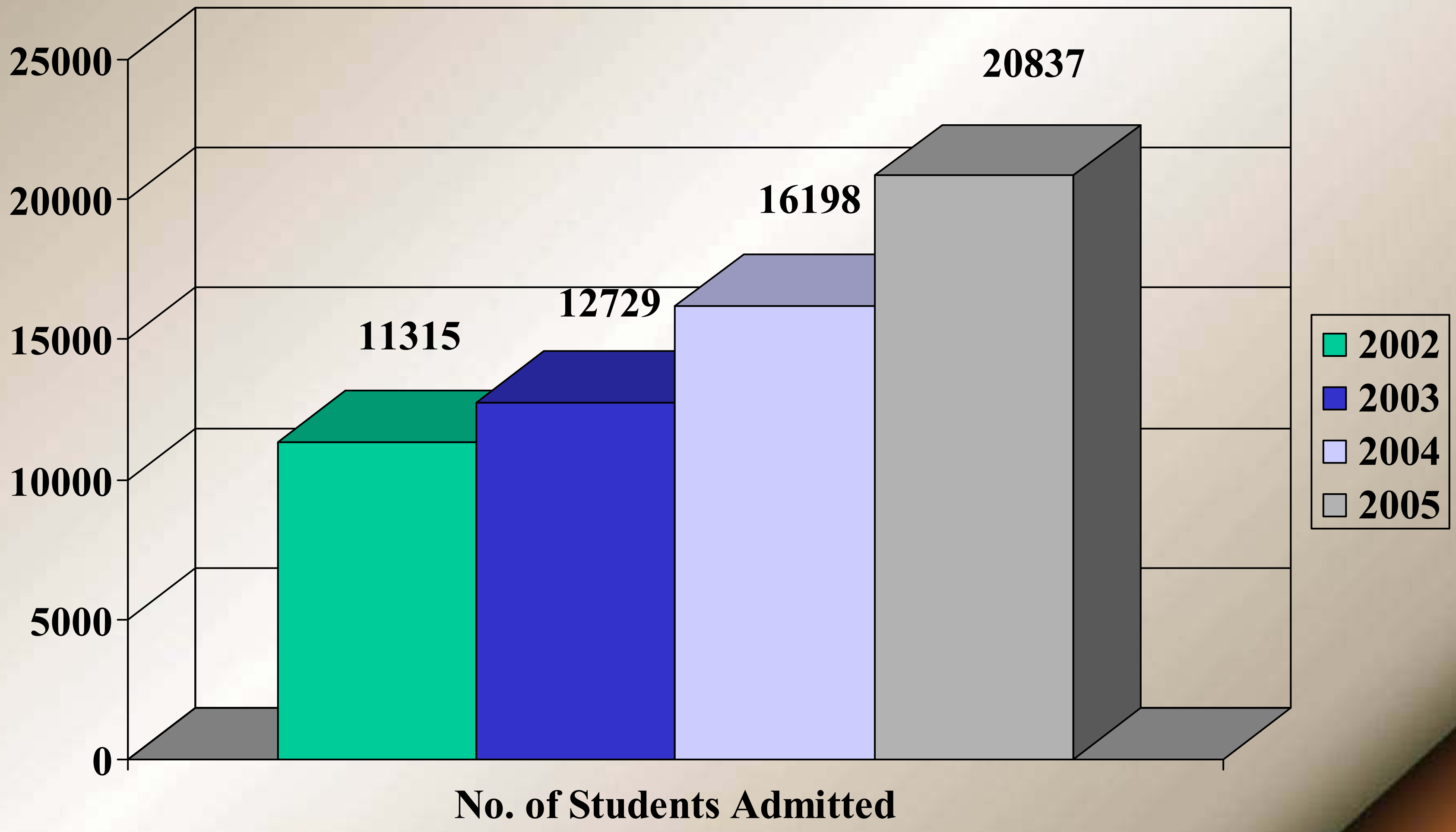

पिछले 5 वर्षों की मुख्य उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

- स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों का वर्ष 2000–01 से अब तक क्रमशः दो बार, तीन बार तथा एक बार नवीनीकरण किया गया।
- सूचना प्रौद्योगिकी का समावेश
- सतत मूल्यांकन

परीक्षा प्रणाली में सुधार

- मूल्यांकन एवं परीक्षा परिणाम की घोषणा वर्ष 2002 की अपेक्षा वर्ष 2005 में शीघ्रता से हो रही है।
- वर्ष 2005 से छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का स्वयं अवलोकन कराना (परसुयेशन) प्रारंभ।

..............पिछले 5 वर्षों की उपलब्धियाँ

रोजगार के अवसर –

- ✓ छात्रों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान करना।,
- ✓ छात्रों हेतू कैम्पस इंटरव्यू करवाना।

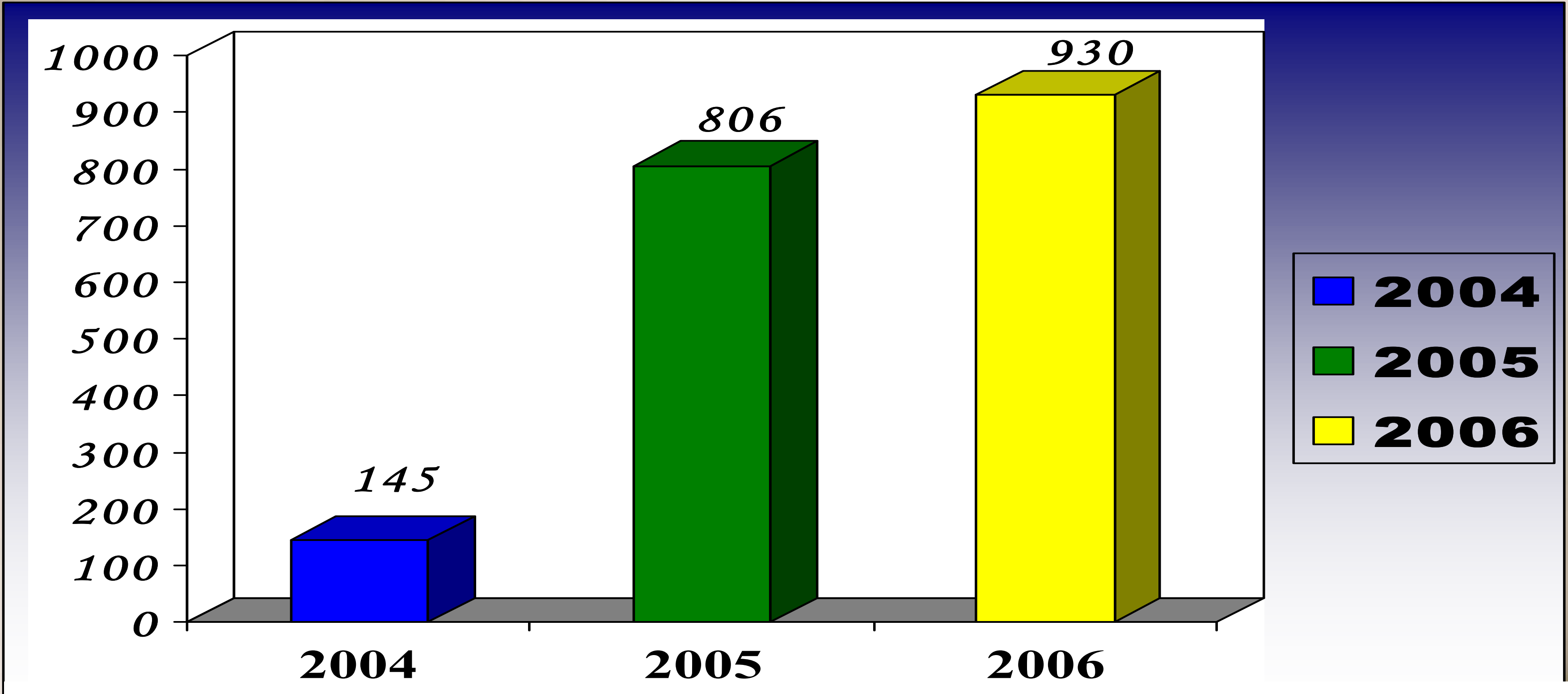

नोटः– वर्ष 2004 से पूर्व कोई भी केंद्रीयकृत केंपस इंटरव्यूज नहीं हुये।

..................पिछले 5 वर्षों की उपलब्धियॉं

सूचना प्रौद्योगिकी का सफल उपयोग–

- *ऑन लाईन डिस्ट्रीब्यूटिव काउंसलिंग*

  भारत में पहली बार प्रदेश के पांच केन्द्रों (भोपाल ,इन्दौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा) पर एक साथ
- *सूचना प्रौद्योगिकी के उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना।*
- *ऑन लाईन फॉर्म्स, प्रावधिक अंकसूची एवं परीक्षा परिणाम की उपलब्धता–*

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली –

- उपग्रह आधारित तकनीक पर 40 प्रौद्योगिकी संस्थाओं के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही हैं।

ऊर्जा पार्क का निर्माण–

- विश्वविद्यालय देश में तीसरी संस्था है जिसे ।प्ब्ज्म् द्वारा दूरस्थ गॉंवों में ऊर्जा उत्पादन हेतू (सौर पवन तथा बायोमास के उच्चतम मिश्रण के माध्यम से) अनुसंधान परियोजना 2006 में प्रदान की गई है।